बाल दिवस उत्सव

बालिका गृह, नान्ता

सचेतन

4 अक्टूबर 2013 कोटा

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कोटा
समाज कल्याण सप्ताह समारोह 2013

आमंत्रण–पत्र

दिनांक 1 अक्टूबर 2013 से 7 अक्टूबर 2013 तक

समाज कल्याण सप्ताह समारोह

पृष्ठांकित कार्यक्रमानुसार मनाया जावेगा।
समस्त कार्यक्रमों में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

उपनिदेशक
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग
कोटा

मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिला परिषद
कोटा

जिला कलेक्टर
कोटा

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कोटा द्वारा दिनांक 1-7 अक्टूबर 2013 तक समाज कल्याण सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया. इस आयोजन के तहत ही 4 अक्टूबर को नान्ता स्थित बालिका गृह की बालिकाओं के साथ बाल दिवस उत्सव मनाया गया. बाल दिवस उत्सव आयोजन की ज़िम्मेदारी विभाग द्वारा स्वयं सेवी संस्था 'सचेतन', कोटा को सौंपी गयी. बाल दिवस आयोजन के तहत 'सचेतन' द्वारा बालिकाओं को दो लोक नृत्य शैलियों घूमर एवं डांडिया के सात दिवसीय प्रशिक्षण एवं सघन अभ्यास उपरांत प्रस्तुतिकरण हेतु सहजीकृत किया गया. 32 बालिकाओं द्वारा सामूहिक रूप से बाल दिवस उत्सव के मौके पर सामूहिक प्रस्तुतियां दी गयीं. रंग-बिरंगी पोशाकों में सजी बालिकाओं के लिए बाल दिवस आयोजन निसंदेह एक उछाव-उत्सव के मानिंद ही था. आयोजन हेतु पिछले सात दिवसों की सघन मेहनत सबको दिखाने का अवसर भी था.

प्रस्तुत 'फोटो डॉक्यूमेंटेशन' में बालिका गृह, नान्ता में मनाये गए बाल दिवस उत्सव की झलकियाँ अंकित हैं. विभाग, बालिका गृह, बाल कल्याण समिति और सचेतन सदस्यों की सामूहिक उपस्थिति ने बालिकाओं के प्रयासों को संबल प्रदान किया और अपनी सराहना से उनके मनोबल को मज़बूत किया.

सचेतन

एकल से लेकर सामूहिक प्रस्तुतियां देती बालिकाएं.

बालिकाओं ने तय किया कि वे स्वागत गीत गायेंगी. न केवल स्वागत गीत वरन देश भक्ति गीत भी प्रस्तुत किये. उनकी सहज पहल और प्रस्तुतियां उनके आत्म विश्वास के प्रतीक थे. कुछ उन्होंने सीखा कुछ उनका सीखा हुआ था.

फ़ोटो बांयें से दायें के क्रम में:

1- स्वागत गान
2- एकल नृत्य
3- 4 डांडिया प्रस्तुति

नृत्य उल्लास का प्रतीक है. सामूहिकता का भाव उल्लास के प्रवाह को बढ़ा देता है. घूमर और डांडिया जैसे दोनों ही लोक नृत्य सामूहिकता और सामंजस्य को प्रेरित करते हैं. मन खुश हो तो सीमायें और संकोच गौण हो जाते हैं. प्रफुल्लता तो अपनी राह बना ही लेती है.

फ़ोटो बाएं से दायें के क्रम में:

1- बाल कल्याण समिति सदस्याएं बालिकाओं के साथ डांडिया में संगत देते हुए

2- घूमर प्रस्तुति देती बालिकाएं 3- अपनी साथियों की प्रस्तुति निहारती बालिकाएं

सचेतन

फ़ोटो ऊपर बांयें से दायें के क्रम में:

1-भारती गौड़ सचिव, सचेतन सम्मानित मंच को बालिकाओं के प्रयासों की जानकारी देते हुए.

2- मंचासीन बाल कल्याण समिति सदस्य कुसुम विजय, समिति अध्यक्ष पुखराज भाटिया, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग उप-निदेशक सविता कृष्णैया एवं भारती गौड़.

फ़ोटो नीचे बांयें से दायें के क्रम में:

1- सचेतन संदर्भ व्यक्ति बालिकाओं के साथ प्रशिक्षण के दौरान हुए अपने अनुभव बांटते हुए.

2- बाल कल्याण समिति अध्यक्ष पुखराज भाटिया बालिकाओं को संबोधित करते हुए.

फोटो: बाल कल्याण समिति प्रतिनिधि कुसुम विजय एवं पुखराज भाटिया, उपनिदेशक सविता कृष्णैया, सचेतन सदस्य भारती गौड़ एवं लीना विजय स्मृति चिन्ह प्रदर्शित करते हुए.

सचेतन द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग उपनिदेशक एवं बाल कल्याण समिति सदस्यों को बालिका गृह हेतु 'स्मृति चिह्न' प्रदान किया गया. यह स्मृति चिह्न बालिका गृह की बालिकाओं हेतु सचेतन द्वारा आयोजित बॉडी मूवमेंट एवं लोक नृत्य कार्यशाला के तहत तैयार किया गया था. स्मृति चिह्न में हाथ में हाथ पकड़े बालिकाओं और घूमर और डांडिया जैसे समूह नृत्य की छवि दर्शायी गयी है.

अपना क्या है इस जीवन में, सब कुछ लिया उधार
सारा लोहा उन लोगों का, अपनी केवल धार .

सचेतन

SACHETAN

(Society for Research Eductaion & Training)

Registered Office:
23, Shripad, Railway Society Colony, Bajrang Nagar,
Kota. 324001.

email: sachetansociety@gmail.com